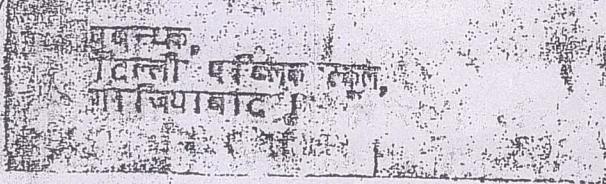


NOC

बंड या. 5207/15-12-85-10। 4। /85

श्री एलोएस० मौतम्,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

खेता ५,



शिक्षा ॥ १२॥ अबुमाम लग्ज़ा : दिनांक ७ अक्टूबर, १९८५。
विषय:- अबापटित न्याय पत्र।
महोदय,

मेरे यह छह फा बिदेश हुआ है कि अपनी उत्तर राज्य को आठविं सत्र
में विद्यालय और सरकारी स्कूलों में बढ़ाव देना चाहिए, वह वित्ती खेत्र स्वदेशता हेतु अबाप
प्रनाय पत्र राज्य सरकार द्वारा अतिप्रय शर्तों के अधीन प्रदान करने पर विद्यार
तिपां जा सकता है। यदि आप सर्वाधिक अवधारणा के इच्छुक हैं तो बिन्दु प्रतिबन्धों
शर्तों को स्वीकार किये जाने के सम्बन्ध में अपना चाहनी खेत्राभाव को अवगत कर
कर दें।

१३। न्याय प्रतिबन्ध

- विद्यालय के प्रबन्ध संभिति में शिक्षा बिदेश द्वारा बानित एवं सदस्य होना।
- विद्यालय के फैले दून १० प्रतिशत स्थान पिछले एवं बिन्दु वर्ग आय के व्यक्ति
के बच्चों/ बाल्यों के लिए सुरक्षित रेहेंगे तथा *बास* उनसे वही शिक्षण शुल्क लिया
जायेगा जो नायरिटि शिक्षा परिषद, ३०४०, लाहालद/बेंसिं शिक्षा परिषद
द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों की विशिष्ट भूमि के लिए निर्धारित है।
- फाशन मर्ही की प्रथा उमायत की जाय अथवा यांद उत्तर दरक्षण हो तो फाशन मर्ह
राज्य द्वारा पर लिया जायेगा।
- उन शुरुओं की दरों में कमी का प्राय जो वर्तनाल दरों के ५०प्रतिशत से अधिक
हो जाए।
- प्रथा द्वारा राज्य सरकार द्वारा फैले दृष्टिकोण जायेगा।
- संस्था की रूपा विद्यालय/विद्यालय प्रशासन होगा। संस्था के शिक्षण तथा
विद्यालय की विद्यालयों को राज्यीय शिक्षा संस्थाओं के जन्मारियों को अनुमत्य
वैतनिकाओं तथा जब्त ग्रन्ति से कम वैतनिकान एवं जन्मारियों जहाँ दिये जायें।
- राज्य सरकार अथवा शिक्षा विभाग द्वारा जो भी उत्तर उच्च बिन्दु तिक्ष्ण जायेगा
उन्होंना पालन संस्था के लिए अनिवार्य होगा।
- विद्यालय के अनुशासन तथा शिक्षा फा उत्तर उच्च बिन्दु रखा जायेगा।

- #### १४। विशेष प्रतिबन्ध
- विद्यालय की प्रबन्ध संभिति रजिस्टर्ड होगी तथा समय-समय पर बिम्मसानुसार
उत्तर बवीनीकरण भी कराया जायेगा।
 - विद्यालय में प्रत्येक छात्र व अबुमाम के लिए उचित शासन फाएफ छाता-छाता, दो

(16)

ैक्फिल्पफ विषय कहा तथा धार प्रशासकीय कक्ष की उपस्थाकी जायेगी।

- 3- कृत्यादियों की खेवा-शर्त बायो जायें तथा उन्हें अशासकीय डॉमान विधानमें
के कम्पास्ट्यों को अब्दनन्य खेवा-निवृत्ति ताम उपलब्ध करायें जायें।
- 4- विधानमें को लेखा- जोखा निर्दिश प्रपत्रों/ पंजिकामें में रखा जायेगा।
- 5- कड़ शत्रों को एफ निश्चय समय के नीतर पूरा कर उभका पालन किया
जाता रहेगा और निक्षी भी समय उत्तर शत्रों में से निक्षी भी शर्त का
उल्लंघन कोई पर राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त अधिकार प्रमाण-पत्र वापस ले
किया जायेगा।

मवदीप,

१८०८० ग्रैतम
उप सचिव।